स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
भारत सरकार

Help us to help you

कोविड–19 टीकाकरण

हर वो चीज़ जिसे जानना आपके लिए ज़रूरी है

स्वास्थ्य एवं फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं के लिए गाइड

कोविड–19 टीकाकरण की प्रक्रिया के लिए

भारत में कोविड–19 वैक्सीनेशन के पहले दौर के लाभार्थी हैं– स्वास्थ्य कर्मी, राज्य और केंद्रीय पुलिस संगठनों (CPO) के कर्मचारी, सशस्त्र सेना, होम गार्ड, जेल कर्मचारी और आपदा प्रबंधन स्वयंसेवक (वॉलेंटियर्स), नगर निगम कर्मचारी, राजस्व अधिकारी जो इस महामारी की निगरानी और रोकथाम में जुटे हुए हैं। यह सूचना गाइड बताती है कि कोविड–19 का टीका क्यों महत्वपूर्ण है और टीकाकरण के लिए पंजीकरण कैसे करें।

अधिक जानकारी के लिए राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1075 (टोल फ्री) पर 24X7 कॉल करें
www.mohfw.gov.in ¦ www.cowin.gov.in

विषय–वस्तु

1. कोविड–19 वैक्सीन 3
2. टीकाकरण की प्रक्रिया: पंजीकरण 8
3. वैक्सीन लगवाना और उसके बाद की देखभाल 14

कोविड–19 वैक्सीन

1

1. कोविड–19 या कोरोना वायरस क्या है?

कोविड–19 एक कोरोना वायरस बीमारी है जो एक नए तरह के कोरोना वायरस से होती है, जिसे अब सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस 2(SARS-CoV-2) का नाम दिया गया है। दिसंबर 2019 में चीन के वुहान शहर से इस प्रकोप की शुरुआत हुई और अब यह एक महामारी है जिसने दुनिया के अधिकतर देशों को अपनी चपेट में ले रखा है।

2. कोविड–19 का संक्रमण कैसे फैलता है?

कोविड–19 नाक और मुँह से निकलने वाली बूँदों के द्वारा फैलता है, खासकर तब जब कोविड–19 से संक्रमित व्यक्ति बोलता, खाँसता, छींकता या थूकता है। संक्रमित सतहों को छूने के बाद आँख, नाक या मुँह को छूने से भी इसका संक्रमण होता है।

3. कोविड–19 के लक्षण क्या हैं?

कोविड–19 के सबसे सामान्य लक्षण बुखार, सूखी खाँसी, साँस लेने में तकलीफ और थकान हैं। ज्यादातर लोग बीमारी का हल्का अनुभव करते हैं और वह अस्पताल में भर्ती हुए बिना ही ठीक हो जाते हैं। हालाँकि, कोविड–19 की चपेट में आए 20 प्रतिशत लोग गंभीर रूप से बीमार होते हैं और उन्हें साँस लेने में तकलीफ होती है।

ज्यादा गंभीर मामलों में संक्रमण की वजह से निमोनिया, सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम (साँस लेने में बहुत कठिनाई), मल्टी ऑर्गन फेलियर (शरीर के कई अंग खराब हो जाना) और यहाँ तक कि मौत भी हो सकती है। बुजुर्ग लोग और उच्च रक्तचाप/हाई ब्लड प्रेशर, दिल और फेफड़े की समस्या, डायबटीज़ या कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों से पहले से ही जूझ रहे लोगों में इस बीमारी की गंभीरता का खतरा ज्यादा होता है।

4. अगर मुझे कोविड–19 जैसे लक्षण हैं तो क्या करना चाहिए?

- अगर किसी को बुखार, सूखी खाँसी, साँस लेने में तकलीफ या थकावट जैसे लक्षण हैं तो वह कोविड–19 परीक्षण करवाने के लिए डॉक्टर से सलाह लें।
- कोविड–19 पॉज़िटिव लोगों को अपने परिवार के सदस्यों और बड़े पैमाने पर समाज की सुरक्षा के लिए खुद को घर में या किसी संस्थान में आइसोलेट (अलग–थलग) कर डॉक्टरों की हर सलाह पर अमल करना चाहिए।
- वह लोग जिन्हें बुखार या/और खाँसी के साथ साँस लेने में तकलीफ, छाती में दर्द/दबाव, या बात करने या चलने–फिरने की क्षमता का चले जाना जैसे लक्षण हैं, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें (भारत सरकार के हेल्पलाइन नंबर 1075 (टोल फ्री) पर संपर्क करें)।

5. कैसे पता चलेगा कि मुझे कोविड–19 है?

कोविड–19 के निम्न में से कोई भी एक या सभी लक्षण हो सकते हैं–

कोरोना होने पर कुछ लोग बहुत थका हुआ भी महसूस कर सकते हैं, स्वाद और गंध की क्षमता जा सकती है। माँसपेशियों में दर्द, गले में खराश, साँस लेने में तकलीफ, दस्त और उल्टी, बुखार व दिमागी भ्रम जैसी समस्याएँ भी हो सकती हैं। अगर आप में ऐसे कोई भी लक्षण हैं, तो कृपया खुद को घर में आइसोलेट (अलग–थलग) कर लें और तुरंत कोविड–19 की जाँच कराएँ। भारत सरकार के हेल्पलाइन नंबर 1075 (टोल फ्री) पर भी आप मदद माँग सकते हैं।

6. क्या कोविड–19 के उपचार में एंटीबायोटिक्स असरदार हैं?

नहीं। एंटीबायोटिक्स, वायरस के खिलाफ काम नहीं करती। कोविड–19 एक वायरस है और इसलिए रोकथाम और उपचार के तौर पर एंटीबायोटिक्स का उपयोग नहीं किया जाना चाहिए।

7. जब पता न हो कि कौन संक्रमित है तो खुद को और दूसरों को कैसे सुरक्षित रखें?

बहुत सारे लोगों में कोविड–19 संक्रमण होता है लेकिन उनमें लक्षण दिखाई नहीं देते या बहुत हल्के लक्षण होते हैं। हालाँकि ऐसे लोगों से भी दूसरों में संक्रमण फैल सकता है। संक्रमण को रोकने, खुद को और दूसरों को सुरक्षित रखने के लिए उचित व्यवहारों का पालन जारी रखें। इन्हें कोविड–19 अनुकूल व्यवहार कहा जाता है। इनमें निम्नलिखित व्यवहार शामिल हैं–

- जब भी आप बाहर हो तो सही तरीके से मास्क पहनें जिससे नाक, मुँह और ठुड्डी पूरी तरह ढके रहें।
- आपस में कम से कम 6 फीट (2 गज) की शारीरिक दूरी बनाए रखें।
- हाथों को बार–बार अच्छे से साबुन और पानी या सैनिटाइज़र से साफ करें।
- हाथों को सैनिटाइज़ किए बिना अपनी आँख, नाक और मुँह को न छुएँ।

छींकते और खाँसते समय मुँह को ढकें और खुले में थूकने से बचें।

गैर ज़रूरी यात्रा करने से बचें और भीड़–भाड़ वाली जगहों पर न जाएँ।

बीमारी की स्थिति में अपने स्वास्थ्य की खुद निगरानी करें।

लक्षण दिखने पर तुरंत जाँच करवाएँ।

लक्षण दिखने पर खुद को दूसरों से अलग करें।

8. क्या एक ही समय पर सभी को वैक्सीन लगनी ज़रूरी है?

भारत सरकार ने देश में टीकाकरण करने की चरणबद्ध योजना बनाई है जिसमें उस आबादी को प्राथमिकता पर रखा गया है, जिन्हें सबसे ज्यादा खतरा है और इन्हीं लोगों को सबसे पहले वैक्सीन दी जाएगी। इनमें शामिल हैं–

- स्वास्थ्य कर्मी
- फ्रंटलाइन कार्यकर्ता
- 50 वर्ष से अधिक आयु के लोग
- 50 वर्ष से कम आयु के लोग जिन्हें हाईपरटेंशन/डायबटीज़ (शुगर)/HIV/कैंसर/हृदय रोग आदि हैं।

9. क्या वैक्सीन लगने के बाद मुझे कभी कोरोना नहीं होगा?

कोविड–19 वैक्सीन भविष्य में आपको कोविड–19 बीमारी से संक्रमित होने की आशंका को कम कर देती है।

10. वैक्सीन की कितनी डोज़ लेनी है और कितने अंतराल पर?

टीकाकरण प्रक्रिया पूरा करने के लिए हर व्यक्ति को वैक्सीन के 2 टीके लगवाने होंगे, 28 दिन के अंतराल पर।

11. एंटीबॉडीज़ कब विकसित होंगी? पहली डोज़ या दूसरी डोज़ लेने के बाद या बाद में?

कोविड–19 वैक्सीन की दूसरी डोज़ लेने के दो हफ्ते बाद शरीर में कोरोना वायरस से बचाव के लिए एंटीबॉडीज़ तैयार होने लगती हैं।

12. टीकाकरण के समय अगर मुझे कोविड–19 संक्रमण है, तो भी क्या मुझे वैक्सीन लग सकती है?

अगर आप में संक्रमण की पुष्टि हो गई है या आपके संक्रमित होने का संदेह है, तो इससे टीकाकरण स्थल (वैक्सीनेशन साइट) पर दूसरों में संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ सकता है। इस वजह से कोविड–19 की पुष्टि वाले मरीज या फिर जिनकी टेस्ट रिपोर्ट का इंतज़ार है, उन्हें लक्षण समाप्त होने के कम से कम 14 दिन बाद तक वैक्सीन नहीं लेनी चाहिए और इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के स्थानीय अधिकारियों को सूचित कर देना चाहिए।

टीकाकरण की प्रक्रियाः पंजीकरण

2

13. क्या यह ओरल वैक्सीन (मुँह में दी जाने वाली ड्रॉप) है या इंजेक्शन है?

भारत में उपयोग की जा रही दोनों वैक्सीन इंजेक्शन के रूप में हैं।

14. कौन लोग वैक्सीन लगने के योग्य हैं?

वो लोग जिन्हें कोविड–19 से संक्रमित होने का खतरा सबसे ज्यादा है और अधिक जोखिम वाली आबादी को सबसे पहले वैक्सीन लगाई जाएगी–

1. **स्वास्थ्य कर्मी/हेल्थ केयर कार्यकर्ता** (HCWs): हेल्थ केयर सेटिंग्स (पब्लिक और प्राइवेट) में हेल्थ केयर प्रोवाइडर्स (स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता) और कर्मचारी, ICDS कर्मचारी समेत।
2. **फ्रंटलाइन कार्यकर्ता** (FLWs): राज्य और केंद्रीय पुलिस संगठन, सशस्त्र सेना, होम गार्ड्स, जेल कर्मचारी, आपदा प्रबंधन स्वयंसेवक (वॉलेंटियर्स) और नागरिक सुरक्षा संगठन (सिविल डिफेंस ऑर्गेनाइज़ेशन), नगर निगम कर्मचारी और राजस्व अधिकारी जो इस महामारी की निगरानी और रोकथाम में जुटे हुए हों।
3. **50 वर्ष से अधिक आयु के लोग** और 50 वर्ष से कम आयु के लोग जिन्हें हाईपरटेंशन/डायबटीज़ (शुगर), HIV/कैंसर/हृदय रोग आदि हैं।

यह प्राथमिकता क्रमबद्ध नहीं है। वैक्सीन की उपलब्धता के आधार पर इन प्राथमिकता समूहों का टीकाकरण एक ही समय पर, एक साथ भी किया जा सकता है।

15. कोविड–19 टीकाकरण के लिए किन लोगों को हेल्थ केयर वर्कर्स के रूप में परिभाषित किया गया है?

हेल्थ केयर सिस्टम (सरकारी और निजी दोनों सेक्टर) में हेल्थ केयर सर्विस प्रोवाइडर्स (स्वास्थ्य देखभाल सेवा प्रदाता) और ICDS कर्मचारी समेत दूसरे कर्मचारियों को हेल्थ केयर वर्कर्स (HCW) के रूप में परिभाषित किया गया है।

ये लोग हेल्थ केयर वर्कर होंगे:

- फ्रंटलाइन हेल्थ और ICDS कर्मचारी: ANMs, MPW (महिला/पुरुष), आशा, आशा सहायिका, AWW, AWW सहायिका आदि।
- नर्स और सुपरवाइज़र: स्टाफ नर्स, PHN, LHV, CHO, हेल्थ और ICDS सुपरवाइज़र्स, CDPO, CMHO, डिस्ट्रिक्ट WCD अफसर, DIO।
- मेडिकल अफसर: एलोपैथिक डॉक्टर, आयुष डॉक्टर, दंत चिकित्सक समेत स्वास्थ्य सुविधाओं/संस्थानों में तैनात प्रशासनिक अधिकारी।
- पैरामेडिकल स्टाफ: लैब टेक्नीशियन, OT टेक्नीशियन, फार्मासिस्ट, फिज़ियोथेरेपिस्ट, रेडियोग्राफर, नर्सिंग अर्दली, वॉर्ड बॉय और दूसरे पैरामेडिकल स्टाफ।
- सपोर्ट स्टाफ: ड्राइवर और सिक्योरिटी स्टाफ, सफाई कर्मचारी और दूसरे सपोर्ट स्टाफ।
- छात्र: मेडिकल कॉलेज, डेंटल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज और दूसरे पैरामेडिकल छात्र।
- कोविड–19 वैक्सीन विकसित करने में जुटे वैज्ञानिक और रिसर्च स्टाफ।
- हेल्थ केयर सेटिंग्स के क्लेरिकल और एडमिनिस्ट्रेटिव स्टाफ।
- दूसरे स्वास्थ्य कर्मी।

16. कोविड–19 टीकाकरण (वैक्सीनेशन) के लिए फ्रंटलाइन वर्कर्स कौन हैं?

राज्य और केंद्रीय पुलिस संगठनों के कर्मचारी, सशस्त्र सेना, होम गार्ड्स और आपदा प्रबंधन स्वयंसेवक (वॉलेंटियर्स) और नगर निगम कर्मचारी (हेल्थ केयर वर्कर्स को छोड़) समेत नागरिक सुरक्षा संगठन (सिविल डिफेंस ऑर्गेनाइज़ेशन), जेल कर्मचारी और महामारी की निगरानी और रोकथाम में जुटे राजस्व अधिकारी आदि।

17. पंजीकरण कैसे करें?

हेल्थ केयर और फ्रंटलाइन कार्यकर्ता के आँकड़े संबंधित मंत्रालयों द्वारा इकट्ठा किए जाएँगे और भारत सरकार द्वारा बनाए गए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन सिस्टम (Co-WIN) पर अपलोड किए जाएँगे। राज्यों और संबंधित केंद्रीय मंत्रालयों के नोडल अधिकारियों को टीकाकरण को संचालित करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। हेल्थ केयर और फ्रंटलाइन कार्यकर्ता को उनके दफ्तर के माध्यम से संपर्क किया जाएगा।

18. मुझे कैसे पता चलेगा कि टीकाकरण (वैक्सीनेशन) कब शुरू हो रहा है?

पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) के बाद पंजीकृत (रजिस्टर्ड) मोबाइल नंबर पर आपको इस तरह से एसएमएस संदेश मिलेंगे:

- पहला एसएमएस संदेश पुष्टि (कन्फर्मेशन) के लिए आएगा।
- दूसरे एसएमएस में टीकाकरण का दिन, तारीख, जगह और दूसरी जानकारियाँ होंगी।
- तीसरा एसएमएस टीकाकरण खत्म होने पर आएगा जिसमें अगली डोज़ की तारीख बताई जाएगी।

19. क्या पंजीकरण के बिना भी मुझे वैक्सीन लग सकती है?

नहीं। वैक्सीन लगवाने के लिए पंजीकरण करना अनिवार्य है। अगर पंजीकरण प्रक्रिया में आपको किसी सहयोग की ज़रुरत है, तो आपके नज़दीकी स्वास्थ्य केंद्र/ICDS/ सरकारी दफ्तर आपकी मदद करेंगे। सभी सहायता केंद्रों/ कार्यालयों की सूची व्यापक रूप से प्रचारित की जाएगी।

20. अगर मैं ऑनलाइन पंजीकरण करने में सक्षम नहीं हूँ, तो क्या टीकाकरण स्थल पर पंजीकरण कर वैक्सीन लगवा सकता हूँ?

नहीं। सिर्फ पहले से पंजीकृत लाभार्थियों को ही वैक्सीन लगेगी। टीकाकरण स्थल पर पंजीकरण करके टीकाकरण करवाने का कोई प्रावधान नहीं है।

21. पंजीकरण करने के लिए किन दस्तावेज़ों की ज़रुरत होगी?

फोटोग्राफ के साथ नीचे वर्णित पहचान पत्र में से कोई भी पंजीकरण के समय दिखाया जा सकता है–

- आधार कार्ड
- पासपोर्ट
- ड्राइविंग लाइसेंस
- MNREGA जॉब कार्ड
- वोटर आईडी
- NPR के तहत RGI द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड
- पैन कार्ड
- फोटोग्राफ के साथ पेंशन दस्तावेज़
- सांसद / विधायक / विधान पार्षद को जारी आधिकारिक पहचान पत्र
- बैंक / पोस्ट ऑफिस से मिली फोटो वाली पासबुक
- श्रम मंत्रालय की योजना के अंतर्गत जारी हेल्थ इंश्योरेंस स्मार्ट कार्ड
- केंद्र / राज्य सरकार / PSUs/पब्लिक लिमिटेड कंपनीज़ द्वारा कर्मचारियों को जारी फोटोग्राफ वाली सर्विस पहचान पत्र

22. क्या टीकाकरण के समय फोटो आईडी की ज़रूरत होगी?

हाँ। पंजीकरण के दौरान दी गई फोटो आईडी को टीकाकरण के समय दिखाना और सत्यापित करवाना अनिवार्य होगा।

23. अगर मैं टीकाकरण स्थल पर फोटो आईडी दिखाने में सक्षम नहीं हुआ, क्या तब भी मुझे वैक्सीन लग सकती है?

नहीं। पंजीकरण और टीकाकरण स्थल पर लाभार्थी के सत्यापन, दोनों के लिए फोटो आईडी ज़रूरी है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि जिस व्यक्ति को वैक्सीन लगनी थी, उसे ही लगाई गई है।

24. मेरा वो मोबाइल नंबर बदल चुका है जिससे मैंने वैक्सीन के लिए पंजीकरण किया था। मुझे क्या करना चाहिए?

चूँकि पंजीकृत मोबाइल नंबर के द्वारा ही आपसे संपर्क किया जाएगा, इसलिए आपको उसी नंबर को बनाए रखने की सलाह दी जाती है जिससे आपने कोविड–19 टीकाकरण (वैक्सीनेशन) के लिए पंजीकरण किया था। टीकाकरण की तारीख और समय समेत दूसरी विस्तृत जानकारियाँ उसी नंबर पर साझा की जाएँगी।

25. मेरे काम के कारण मेरे परिवार के दूसरे सदस्यों को भी कोरोना की चपेट में आने का खतरा हैं। क्या मेरे साथ उन्हें भी वैक्सीन लग सकती है?

हेल्थ केयर और फ्रंटलाइन कार्यकर्ता के तौर पर कोविड–19 वायरस के ज्यादा से ज्यादा संभावित संपर्क में होने से आप पर खतरा ज्यादा होता है। आपकी खुद की रक्षा खुद–ब–खुद आपके परिवार के सदस्यों को आपसे संक्रमित होने के खतरे से बचाती है। वैक्सीन की शुरुआती कमी की वजह से, सरकार ने कुछ तय श्रेणियों को प्राथमिकता दी है। जिन्हें कोविड–19 होने का खतरा ज्यादा है, उन्हें पहले चरण में वैक्सीन दी जाएगी।

26. क्या मुझे वैक्सीन के लिए कीमत चुकानी होगी?

नहीं। वैक्सीन के लिए आपको पैसे नहीं देने होंगे। सभी पंजीकृत लाभार्थियों को भारत सरकार द्वारा मुफ्त वैक्सीन दी जा रही है।

27. अगर कुछ वजहों से (बीमारी या यात्रा) मैं टीकाकरण के लिए जाने में सक्षम नहीं हूँ, तो मुझे क्या करना चाहिए?

सत्र के अंत में टीकाकरण के लिए उपलब्ध नहीं रहे लाभार्थियों की सूची तैयार कर वैक्सीनेटर जिला प्रशासन के साथ साझा करेंगे। तय टीकाकरण सत्र में नहीं पहुँचे लाभार्थियों को दूसरा स्थल आवंटित किया जाएगा और एसएमएस के द्वारा टीकाकरण की नई तारीख, समय और जगह की जानकारी दी जाएगी।

वैक्सीन लगवाना और उसके बाद की देखभाल

3

28. अगर टीकाकरण के दिन मेरी तबीयत ठीक नहीं है, क्या फिर भी मेरा जाना ज़रूरी है?

अगर आप अस्वस्थ हैं तो वैक्सीन लगवाने के लिए तब तक इंतज़ार करना ही ठीक रहेगा, जब तक कि आप पूरी तरह ठीक न हो जाएँ। लेकिन आपको कोशिश करनी चाहिए कि जितनी जल्दी संभव हो, वैक्सीन लग जाए। अपने खुद को दूसरों से अलग (सेल्फ–आइसोलेट) किया हुआ है, आप कोविड–19 टेस्ट कराने या टेस्ट रिपोर्ट का इंतज़ार कर रहे हो या आपको अपनी तबीयत ठीक होने को लेकर शंका हो तो आपको वैक्सीन अपॉइंटमेंट के लिए नहीं जाना चाहिए।

29. टीकाकरण स्थल पर क्या होगा?

टीकाकरण स्थल पर आपकी फोटो आईडी सत्यापित की जाएगी और अपनी बारी आने का इंतज़ार करने को कहा जाएगा। सुनिश्चित करें कि टीकाकरण स्थल पर खुद को और दूसरों को सुरक्षित रखने के लिए आप सभी कोविड–19 अनुकूल व्यवहार का पालन कर रहे हों। मास्क पहनना अनिवार्य है। वैक्सीन लगने के बाद आपको टीकाकरण स्थल के अंदर ही एक तय जगह पर 30 मिनट तक इंतज़ार करने को कहा जाएगा।

30. चूँकि टीकाकरण स्थल पर बहुत सारे लोग आ रहे होंगे, तो क्या मेरा वहाँ जाना सुरक्षित होगा?

टीकाकरण स्थल पूरी तरह सैनिटाइज़्ड होगा और सेशन स्थल पर कोविड–19 अनुकूल व्यवहार बनाए रखने के लिए सभी सावधानियाँ बरती जाएँगी। जब आप स्थल पर जाएँ, तो सुनिश्चित करें कि आप मास्क लगाए हुए हों और किसी भी सतह को छूने से बचें। टीकाकरण स्थल को तैयार करने के लिए टीकाकरण टीमों को पूरी ट्रेनिंग दी गई है ताकि संक्रमण का खतरा कम से कम हो।

31. अगर वैक्सीन लगने के बाद तबीयत बिगड़ जाए तो क्या करूँ?

टीकाकरण के बाद प्रतीक्षा कक्ष में आधे घंटे के इंतज़ार के दौरान अगर आप असहज महसूस कर रहे हैं तो उस कमरे में तैनात टीकाकरण अधिकारी 3 और 4 को बताएँ। टीकाकरण स्थल पर तैनात हेल्थ टीम तुरंत आपके पास होगी।

32. वैकसीन की दूसरी डोज़ के बारे में कैसे पता चलेगा?

आपके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एसएमएस के द्वारा आपको दूसरी डोज़ की जानकारी दी जाएगी।

33. क्या टीकाकरण (वैक्सीनेशन) प्रक्रिया पूरी होने के बाद लाभार्थियों को उनके टीकाकरण स्टेट्स को लेकर जानकारी मिलेगी?

हाँ। कोविड–19 वैक्सीन की तय डोज़ लेने के बाद लाभार्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर एक एसएमएस मिलेगा। वैक्सीन की सभी डोज़ लगने के बाद लाभार्थियों को उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर के द्वारा एक क्यूआर (QR) कोड आधारित प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट) भी भेजा जाएगा।

34. क्या वैक्सीन लगने के बाद भी मुझे संक्रमण से बचने की सभी सावधानियाँ बरतनी होंगी?

कोविड–19 वैक्सीन भविष्य में आपके कोविड–19 बीमारी से संक्रमित होने की गुंजाइश को कम कर देता है। हालाँकि, आपके शरीर में इम्युनिटी (प्रतिरक्षण) बनने में कुछ हफ्ते लगेंगे। इसलिए, अब भी आपको कोविड–19 अनुकूल व्यवहार का पालन करने की ज़रुरत होगी। खुद को, परिवार को, दोस्तों को, सहकर्मियों को सुरक्षित रखने के लिए आपको काम की जगह, घर और बाहर जाते समय इन सामान्य सलाहों को मानना चाहिए–

- फेस मास्क पहनें
- शारीरिक दूरी बनाए रखें (2 गज की दूरी)
- नियमित अंतराल पर साबुन और पानी से अपने हाथों को अच्छे से धोएँ या हैंड सैनिटाइज़र का इस्तेमाल करें।

35. टीकाकरण (वैक्सीनेशन) के बाद कब मैं वापस काम पर जा सकता हूँ?

टीकाकरण स्थल से निकलने के तुरंत बाद आप काम पर जा सकते हैं। हालाँकि, टीकाकरण के बाद किसी तकलीफ/असहजता की स्थिति में तुरंत इस पर ध्यान दें और पूरी तरह ठीक होने के बाद ही काम पर जाएँ।